BECC-131

कला स्नातक कार्यक्रम
(बी.ए.जी.)

सत्रीय कार्य 2021–22

पाठ्यक्रम कोड : बी.ई.सी.सी.–131
पाठ्यक्रम शीर्षक : व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत-I

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110068

बी.ई.सी.ई.-131
व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत-I
सत्रीय कार्य
(2021-22)

प्रिय अध्येता,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम-निर्देशिका में सूचित किया था, इग्नू में आपकी प्रगति का मूल्यांकन दो भागों में किया जाता है : (i) सत्रीय कार्यों द्वारा निरंतर मूल्यांकन; और (ii) सत्रांत परीक्षा। आपके संपूर्ण मूल्यांकन में सत्रीय कार्य का भार 30% तथा सत्रांत परीक्षा का भार 70% होता है।

आपको एक 6 क्रेडिट पाठ्यक्रम के लिए 3 या 4 क्रेडिट पाठ्यक्रम के लिए 2 शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य करने हैं। इस सत्रीय कार्य पुस्तिका में आपके कोर पाठ्यक्रम **बी.ई.सी.सी.-131, व्यष्टि अर्थशास्त्र-I** का शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य दिया गया है– यह पाठ्यक्रम 6 क्रेडिट का है। अतः इस पुस्तिका में 3 शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य है जिनके अंकों का योगफल 100 है और भार 30% है।

सत्रीय कार्य-I में विस्तारपूर्ण प्रश्न (DCQs) हैं। इनमें आपको निबंधात्मक उत्तर लिखते हैं जिनमें प्रस्तावना और निष्कर्ष भी होते हैं। इनका लक्ष्य आपकी विषयवस्तु को ठीक से समझ उसे भली प्रकार सुस्पष्ट रूप से व्यक्त रने की क्षमता का मूल्यांकन करना है।

सत्रीय कार्य-II में मध्य स्तर वर्ग (MCQs) के प्रश्न है। यहाँ आपकी विषय की तर्कों के अनुसार व्याख्या करते हुए संगठित उत्तर लिखने की क्षमता का मूल्यांकन किया जाता है। दूसरे शब्दों में, आपकी विभिन्न संकल्पनाओं एवं प्रक्रियाओं में भेद एवं तुलना कर पाने की क्षमता का यहाँ आंकलन किया जाएगा।

सत्रीय कार्य–III में, संक्षिप्त उत्तर वर्ग (SCQs) के प्रश्न हैं। ये आपकी व्यक्तियों, रचनाओं, घटनाओं या संकल्पनाओं एवं प्रक्रियाओं का पुनःस्मरण कर संबद्ध जानकारी को संक्षेप में व्यक्त करने की क्षमता का विकास करेंगे।

सत्रीय कार्य करना आरंभ करने से पूर्व कार्यक्रम निदेशिका के निर्देशों को ध्यानपूर्वक समझ लें। यह बहुत महत्त्वपूर्ण है कि आप अपने शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें। आपके उत्तर बताई गई शब्द सीमा में ही होने चाहिए। याद रखें कि इन प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन कला में सुधार होगा और आपकी परीक्षा हेतु तैयारी भी होगी।

आपको सत्रांत परीक्षा में शामिल होने का पात्र बनने के लिए कार्यक्रम निदेशिका में बताई गई समय सीमाओं में ही अपने सत्रीय कार्य जमा कराने होंगे।

ये सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा करा देने चाहिए।

i) **जुलाई 2021 सत्र में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल, 2022 है।**

ii) **जनवरी 2022 सत्र में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि 31 अक्तूबर 2022 है।**

आपको अध्ययन केंद्र से सत्रीय कार्य जमा करने की रसीद मिलेगी। उसे संभाल कर रखें। संभव हो तो अपने सत्रीय कार्य की एक फोटो प्रतिलिपि भी करा रखें।

अध्ययन केंद्र मूल्यांकन के बाद आपके सत्रीय कार्य आपको लौटाएगा। आपको मिले अंक अध्येता मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजें जाएंगे?

हम आशा करते हैं कि आप सभी प्रश्न सत्रीय कार्यों में उनके लिए दिए गए निर्देशों के अनुसार हल करेंगे। इन बातों का ध्यान रखना उपयोगी रहेगा :

1) **नियोजन :** प्रश्नों को ध्यान से देखें और उन इकाइयों को पढ़ें जिन पर वे आधारित है। प्रत्येक प्रश्न के महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को लिखकर रखें तथा उन्हें तार्किक क्रम में संयोजित करें।

2) **गठन :** अपने उत्तरों की प्रारंभिक रूपरेखा तैयार करते समय कुछ चयन और विश्लेषण ज़रूर करें। अपनी प्रस्तावना तथा निष्कर्षों पर विशेष ध्यान दें।

   सुनिश्चित करें कि आप के उत्तर :

   (क) तर्काधारित एवं सुसंगतिपूर्ण हों;

   (ख) वाक्यों एवं अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध सूत्र हों, और

   (ग) लिखते समय अभिव्यक्ति, शैली एवं प्रस्तुति पर पर्याप्त ध्यान देते हुए सही उत्तर दिए गए हों।

3) **प्रस्तुति :** जब आप स्वयं संतुष्ट हो जाएं तो जमा कराने के लिए अपने अंतिम साफ-साफ लिखें, जहाँ आवश्यक हो, महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को रेखांकित भी करें। यह भी ध्यान रखें कि बताई गई शब्द सीमाओं का अनुपालन हो रहा हो।

व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत-I
शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : बी.ई.सी.सी.-131
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.टी.(टी.एम.ए.)/2021-22
पूर्णांक : 100

सत्रीय कार्य -1

निम्नलिखित वर्णनात्मक श्रेणी के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में लिखें। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर का मान 20 अंक है। **2x20 =40**

1. (क) एक फर्म के साथ जुड़े अल्पकाल एवं दीर्घकाल की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। **(4)**

   (ख) सीमांत लागत, औसत कुल लागत, औसत परिवर्ती लागत तथा औसत स्थिर लागत वक्रों के बीच संबंध प्रदर्शित कीजिए। दिये हुए कुल लागत फलन के आधार पर :

   $$TC(Q) = 50\,Q^2 + 10Q + 75$$

   जहाँ Q उत्पादित वस्तु की मात्रा है, परिवर्ती लागत, कुल लागत, औसत परिवर्ती लागत तथा औसत कुल लागत के गणितीय समीकरण ज्ञात करें। **(8)**

   (ग) इस बात के दिये जाने पर कि फर्म के समक्ष विचार करने के लिए 5 आकार के प्लांट अर्थात् I, II, III, IV तथा V (आकार के बढ़ते क्राम में) हैं जिनमें कि दीर्घकाल में प्लांट 3 दीर्घकाल में अनुकूलतम आकार का प्लांट है। रेखाचित्र की सहायता से अल्पकालीन औसत लागत वक्र तथा दीर्घकालीन औसत लागत वक्र के बीच पारस्परिक प्रभाव ज्ञात कीजिए। **(8)**

2. रेखाचित्र की सहायता से, इस बात की व्याख्या करें कि माँग की कीमत लोच कम होने पर उत्पादक द्वारा वहन किया जाने वाला प्रति इकाई कर का भार भी कम होगा। **(8)**

   (क) माँग पूर्ति विश्लेषण में मार्शलियन आड़े (Marshalian Cross) से क्या अभिप्राय है? सचित्र व्याख्या करें। **(4)**

   (ख) किसी वस्तु के माँग एवं आपूर्ति फलन इस प्रकार दिए हैं –

   $Q_D = 110 - 5P$;

   $Q_S = 6P$ जहाँ P, Q_D तथा Q_S क्रमशः कीमत, मांग की गई मात्रा तथा पूर्ति की गई मात्रा को प्रदर्शित करते हैं। माँग एवं आपूर्ति फलन के व्युत्क्रम ज्ञात करें तथा बाज़ार की कीमत एवं माँग की गई मात्रा का आकलन करें। **(8)**

सत्रीय कार्य 2

मध्यम श्रेणी के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों में लिखें। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है। **3x10=30**

3. फर्म के विस्तार पक्ष से क्या आशय है? गैर-रेखीय उत्पादन फलन तथा रेखीय सजातीय उत्पादन फलन के विस्तार पथों के बीच अंतर बताइये तथा उपयुक्त रेखाचित्र द्वारा इन्हें प्रदर्शित कीजिए। **(10)**

4. (क) 'गणनावाचक उपयोगिता विश्लेषण आलोचनाओं से मुक्त नहीं है'– क्या आप इस कथन से सहमत हैं? व्याख्चया करें। **(5)**

(ख) एक ऐसे उपभोक्ता पर विचार करें जो वस्तु X तथा वस्तु Y का उपभोग करता है। इन दोनों वस्तुओं की कीमत क्रमशः P_x तथा P_y है। मान लीजिए कि X वस्तु की कीमत P_x कम हो जाती है। हिक्सियन विधि का प्रयोग करते हुए कीमत प्रभाव का आय प्रभाव एवं स्थानपित्त प्रभाव के बीच विलगन कीजिए। **(5)**

5. लगान सीमांकन (rent ceiling) सीमांकन राशि से अधिक लगान वसूल करने पर प्रतिबंध लगाती है। मान लीजिए कि सरकार लगान पर अधिकतम सीमा लगाने का निर्णय करती है। ऐसी स्थिति में

(क) यदि अधिकतम राशि बाज़ार निर्धारित लगान राशि से नीचे निर्धारित की जाती है तो मांग एवं आपूर्ति पर लगान अधिकतम सीमा के प्रभाव को रेखाचित्र की सहायता से प्रदर्शित कीजिए। **(5)**

(ख) यदि लगान की अधिकतम सीमा बाज़ार द्वारा निर्धारित सीमा से अधिक निर्धारित की जाती है तो इसका किराये पर उठाए मकान की माँग एवं आपूर्ति पर क्या प्रभाव पड़ेगा? **(5)**

सत्रीय कार्य–3

प्रत्येक लघु वर्ग के प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में लिखें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 6 अंक हैं। 5x 6=30

6. मान लीजिये कि किसी उत्पादन प्रक्रिया में स्थिर अनुपात में उत्पादन के साधन प्रयोग में लाए जाते हैं, तो तत्संबंधित समोत्पाद वक्र की आकृति क्या होगी? साथ ही क्या अन्य उत्पादन के साधनों के स्थिर रखने पर तथा एक साधन में परिवर्तन करने पर उत्पादन का बढ़ाना संभव है?

7. स्थैतिक अर्थशास्त्र तथा गत्यात्मक अर्थशास्त्र के बीच अंतर बताइये।

8. उत्पादन प्रक्रिया में किसी परिवर्ती साधन के फलस्वरूप घटते हुए प्रतिफल का नियम किस कारण से क्रियाशील होता है?

9. परिवर्ती उत्पादन का नियम एक दीर्घकालीन अवधारणा नहीं है। क्या आप इससे सहमत हैं? व्याख्या करें।

10. किन्हीं दो के बीच अंतर बताएं –

(i) बाह्य मितव्ययताएँ एवं बाह्य अमितव्ययताएँ

(ii) सुव्यक्त लागत एवं निहित लागत